Proposal to discuss Kashmir Insue with Pakistan

2154. Shri Hem Barua;
Shri Nath Pal;
Shri Surendranath Dwivedy;
Shri Vishwa Nath Pandey;
Shri Onkar Lai Berwa;
Shri Onkar Singh;
Shri Inder J. Malhotra;
Shri O. P. Tyari;

Will the Minister of External Affairs be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that recently Government have proposed to discuss Kashmir issue with Pakistan without any pre-conditions or precommitments;
- (b) if so, whether it is also a fact that this is against the basic stand so far taken by Government on the Kashmir question; and
- (c) if not, the special considerations on account of which this new overture has been made?

The Minister of External Affairs (Shri M. C. Chagla): (a) In my letter dated May 6, 1967 to the Foreign Minister of Pakistan, I stated the following:

"The Government of India have stated previously many times both in Parliament and outside that we are, without any pre-conditions or pre-commitments on either side, ready to discuss all questions between India and Pakistan, including the Kashmir question, at any time and at any place mutually convenient to the Governments of India and Pakistan. We firmly adhere to that position and wish to reiterate that we are ready to enter into discussions with your representatives on all matters."

(b) and (c). The position that the Government of India are willing to discuss all quustions between India and Pakistan icludig the Kashmir question, has been stated time and again in Parliament as well as in the United Nations. This does not, however, mean that there is any change in India's basic position concerning Jammu and Kashmir.

रार्ग्स रक्षा कीव

2157. डा॰ राम मने।हर सोहिया : भी रिव राय :

स्या प्रशास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या यह सच है कि लक्दन से बी ० एन ० प्रलवानी भाम के एक व्यक्ति ने उन्हें इस प्राप्तय का एक पत्र लिखा है कि तत्कालीन उच्चायुक्त को राष्ट्रीय रक्षा कोय के लिये कुमारी तैयवजी से 1,000 पौष्ड प्राप्त हुए थे लेकिन न तो कुमारी तैयवजी को कोई रसीय दी गई प्रौर न ही यह घन राष्ट्रीय रक्षा कोय में जमा किया गया;
- (ख) क्या इस मामले में कोई जांच की गई थी;
- (ग) यदि हां, तो जांच-निष्कर्षं क्या थे; भौर
- (च) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण चे?

प्रवान मंत्री तथा अणु शक्त नंत्री (श्रीमती इन्दिरा गांधी) : (क) से (घ). श्री बी • एन • अस्वानी ने प्रधान मंत्री को . सिखा था कि उन्होंने सन्दर्भ में हुमारे हाई-कमिश्नर को राष्ट्रीय रक्षा कोच के लिये कुमारी कामिला तैयवजी से 1001 पौण्ड प्राप्त करने के लिये अधिकृत किया था। हाई कमिश्नर ने, जिनको इस सम्बन्ध में सिखा गया था, रिपोर्ट वी कि कुमारी तैयवजी के कबनानुसार श्री अस्वानी ने उनको कोई स्थान नहीं दिया था। इन परिस्थितियों में इस माने में द्या सार्थ में सार्य में सार्थ में सार्य में सार्थ में सार्य में सार्थ में सार्य में सार्थ में स

i